ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

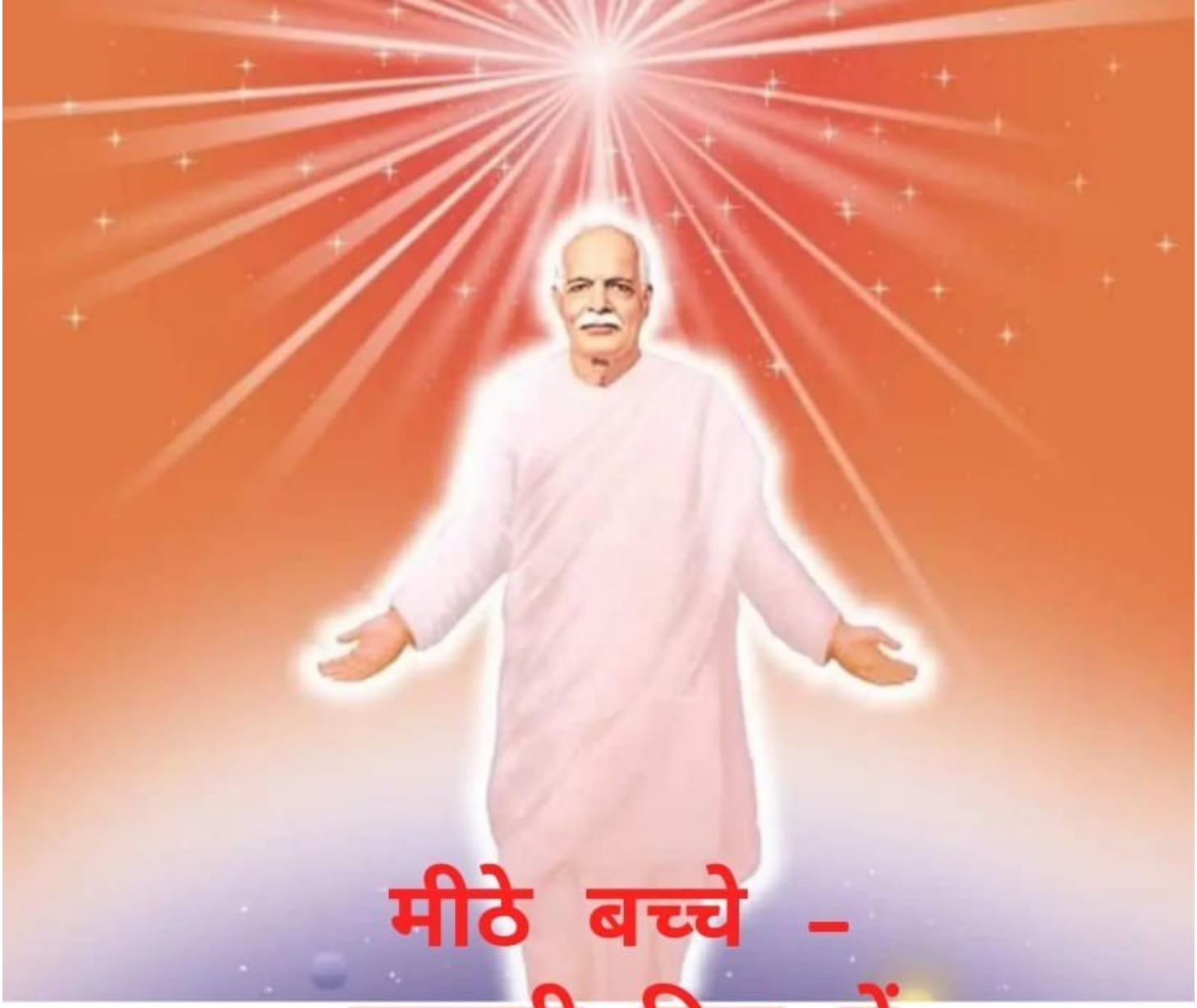

मीठे बच्चे –
तुम्हारी दिल में
खुशी के नगाड़े
बजने चाहिए
क्योंकि बेहद
का बाप तुम्हें
बेहद का वर्सा
देने आया है

जो प्राप्तियों की अनुभूति में रह माया को विदाई देते हैं उन्हें परमात्मा द्वारा हर कदम में बधाई मिलती है। तो सदा यह याद रहे कि स्वयं भगवान हम आत्माओं को बधाई देते हैं।

बुराई को देखने की मन की आँख बन्द करना

बापदादा- 03.04.1997

आज से हर एक अपने में देखे - दूसरे का नहीं देखना। दूसरे की यह बातें देखने के लिए मन की आंख बंद करना। यह आंखें तो बंद कर नहीं सकते ना, लेकिन मन की आंख बन्द करना - दूसरा करता है या तीसरा करता है, मुझे नहीं देखना है। बाप इतना भी फोर्स देकर कहते हैं कि अगर कोई विरला महारथी भी कोई ऐसी कमजोरी करे तो भी देखने के लिए और सुनने के लिए मन को अन्तर्मुखी बनाना। हंसी की बात सुनायें - बापदादा आज थोड़ा स्पष्ट सुना रहे हैं, बुरा तो नहीं लगता है। अच्छा-एक और भी स्पष्ट बात सुनाते हैं। बापदादा ने देखा है कि मैजारिटी समय प्रति समय, सदा नहीं कभी-कभी महारथियों की विशेषता को कम देखते और कमजोरी को बहुत गहराई से देखते हैं और फालो करते हैं। एक दो से वर्णन भी करते हैं कि क्या है, सबको देख लिया है। महारथी भी करते हैं, हम तो हैं ही पीछे। अभी महारथी जब बदलेंगे ना तो हम बदल जायेंगे। लेकिन महारथियों की तपस्या, महारथियों के बहुतकाल का पुरूषार्थ उन्हों को एडीशन मार्क्स दिलाकर भी पास विद आनर कर लेती है। आप इसी इन्तजार में रहेंगे कि महारथी बदलेंगे तो हम बदलेंगे तो धोखा खा लेंगे इसलिए मन को अन्तर्मुखी बनाओ। समझा। यह भी बापदादा बहुत सुनते हैं, देख लिया... देख लिया। हमारी भी तो आंखे हैं ना, हमारे भी तो कान हैं ना, हम भी बहुत सुनते हैं। लेकिन महारथियों से इस बात में रीस नहीं करना। अच्छाई की रेस करो, बुराई की रीस नहीं करो, नहीं तो धोखा खा लेंगे। बाप को तरस पड़ता है क्योंकि महारथियों का फाउन्डेशन निश्चय, अटूट-अचल है, उसकी दुआयें एक्स्ट्रा महारथियों को मिलती हैं। इसलिए कभी भी मन की आंख को इस बात के लिए नहीं खोलना। बंद रखो। सुनने के बजाए मन को अन्तर्मुखी रखो। समझा।

ओम् शान्ति

जो दिखावे के लिए
सेवा करेंगें वो
टूटते रहेंगें। और
जो गुप्त सेवा करेंगें
वे सदा स्थिर रहेंगें।

जो सदा सन्तुष्ट वा प्रसन्न रहते हैं
उनकी हर एक प्रशन्सा
अवश्य करते हैं तो
प्रशन्सा, प्रसन्नता से ही
प्राप्त कर सकते हो इसलिए
सदा सन्तुष्ट और प्रसन्न रहने का
विशेष वरदान स्वयं भी लो और
औरों को भी दो

परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

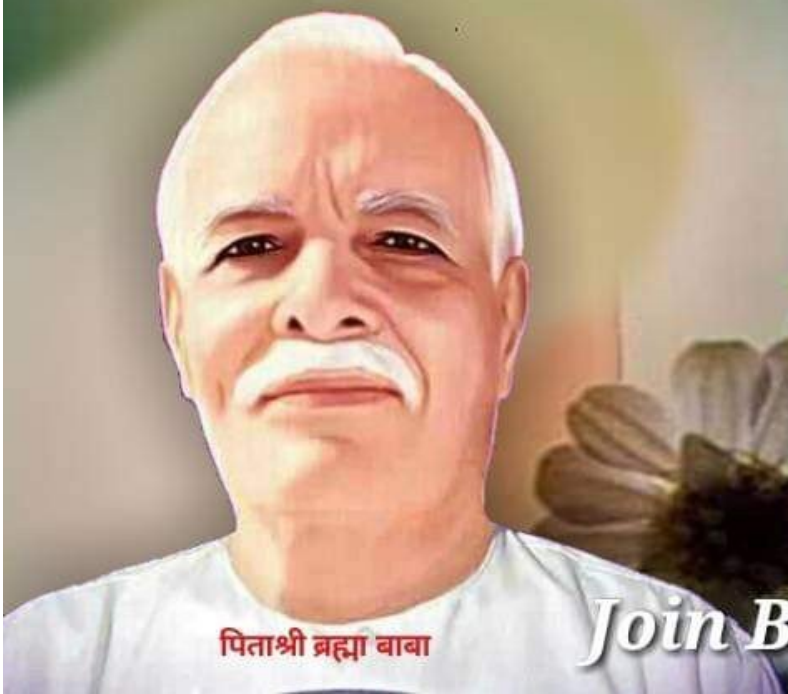

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

जो सदा ईश्वरीय नशे में मस्त रहते हैं, वे सर्व प्राप्ति सम्पन्न बनते हैं।

facebook.com/AvyaktMurliEssence

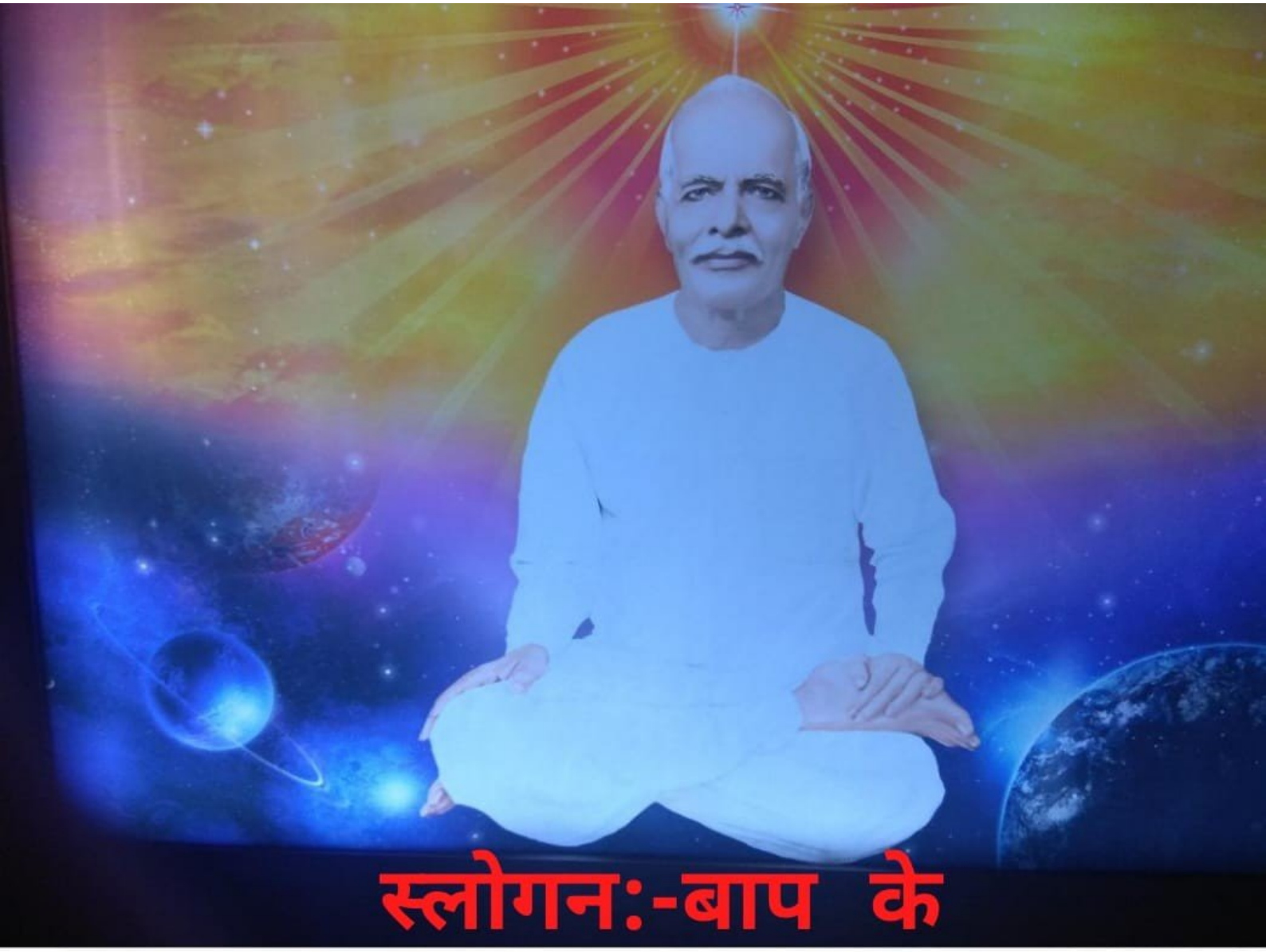

स्लोगन:-बाप के साथ-साथ सर्व आत्माओं के स्नेही बनना ही सच्ची सद्भावना है।

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org